शोक समाचार

जनजातीय संस्कृति के संवाहक शिक्षा शास्त्री सिद्धहस्त संगीतकार एवं समाज सेवी पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुण्डा, सदस्य राज्य सभा के निधन के समाचार में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के सम्पूर्ण परिवार को झकझोर दिया क्योंकि डॉ. मुण्डा का इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव था।

उन्होंने कई बार अमरकंटक की यात्रा की। विश्वविद्यालय की अधोसंरचना व उसके विकास के विषय में वे निरन्तर जानकारी प्राप्त करते रहते थे। जनजातीय समुदाय के विकास एवं उन्हें गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था के लिए उनका हृदय चिंतित रहता था। विश्वविद्यालय के नव–निर्मित परिसर में उनका एक व्याख्यान भी आयोजित कराया गया था।

उनके निधन के समाचार पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी.डी. सिंह ने कहा कि आज हमने जनजातीय समाज का एक बड़ा हितैशी खो दिया। विश्वविद्यालय के विकास के लिए सतत् चिंतित डॉ. मुण्डा जी का निधन विश्वविद्यालय की अपूर्णीय क्षति है। विश्वविद्यालय में अपने उद्बोधन के साथ बांसुरी बादन कर डॉ. मुण्डा ने छात्रों को मोहित कर दिया था। विश्वविद्यालय में एक बड़ा सांस्कृतिक केन्द्र बनाने की उनकी योजना थी। वे विश्वविद्यालय की अन्तर्राष्ट्रीय पहचान बनाने के लिए प्रेरित करते रहते थे। कुलपति ने ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति एवं शोकाकुल परिवार को इस अपूर्णीय क्षति एवं दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।